भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
**राज्य सभा**
लिखित प्रश्न सं. 147
गुरूवार, 29 जनवरी, 2026/09 माघ, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

## पर्यटन अवसंरचना का विकास

**147 श्री रायगा कृष्णैयाः**
**श्रीमती किरण चौधरीः**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) स्वदेश दर्शन योजना तथा स्वदेश दर्शन 2.0 के अंतर्गत आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या कितनी है;

(ख) इन राज्यों में अब तक पूर्ण की गई परियोजनाओं की संख्या कितनी है;

(ग) चुनौती-आधारित गंतव्य विकास पहल के उद्देश्य क्या हैं तथा इसके अंतर्गत किन-किन श्रेणियों की परियोजनाओं को समर्थन प्रदान किया जाता है;

(घ) क्या प्रतिष्ठित पर्यटन गंतव्यों के विकास हेतु दीर्घकालिक ब्याज मुक्त सहायता का उपयोग किया जा रहा है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ड़): पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्रों की योजनाओं जैसे 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)'- स्वदेश दर्शन 2.0 योजना की एक उप-योजना आदि के माध्यम से योजना दिशानिर्देशों और सरकार के निर्देशों के अनुरूप संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन से परियोजना प्रस्तावों की प्राप्ति, निधियों की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता के तहत उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है। सीबीडीडी योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य पर्यटन वैल्यू चेन के सभी बिंदुओं पर पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए गंतव्यों का समग्र विकास करना है एवं इसके तहत 4 श्रेणियां अर्थात आध्यात्मिक पर्यटन, संस्कृति और विरासत, जीवंत ग्राम कार्यक्रम तथा इको पर्यटन एवं अमृत धरोहर स्थलों को चिह्नित किया गया है।

भारत सरकार ने पूंजी निवेश के लिए राज्यों को 'विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास' नामक अपनी योजना, जो दीर्घकालिक ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करती है, के तहत देश में प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का व्यापक रूप से विकास करने, वैश्विक स्तर पर उनकी ब्रांडिंग एवं विपणन करने के प्राथमिक उद्देश्य से परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य में एसडी, एसडी 2.0, सीबीडीडी और एसएएससीआई योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का उनके कार्यान्वयन की स्थिति सहित ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

******

**अनुबंध**

श्री रायगा कृष्णैया और श्रीमती किरण चौधरी द्वारा पर्यटन अवसंरचना के विकास के संबंध में दिनांक 29.01.2026 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 147 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में **विवरण**

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य में स्वदेश दर्शन (एसडी), एसडी 2.0, सीबीडीडी और एसएएससीआई योजनाओं के तहत मंज़ूर की गई परियोजना का उनकी कार्यान्वयन स्थिति सहित ब्यौरा निम्नानुसार है:

**आंध्र प्रदेश** **(राशि करोड़ रु. में)**

| **योजना/उप-योजना/ पहल** | **क्र. सं.** | **परियोजना/अनुभव का नाम** | **स्वीकृत राशि** | **स्थिति (भौतिक रूप से पूर्ण/ कार्यान्वयन के चरण में)** |
|---|---|---|---|---|
| स्वदेश दर्शन (एसडी) | 1. | काकीनाडा - होप आइलैंड - कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य - पसारलापुडी - अडुरु - एस यनम - कोटिपल्ली का विकास | 67.83 | भौतिक रूप से पूर्ण |
| | 2. | नेल्लोर-पुलिकट झील-उब्बलमाडुगु जल प्रपात-नेलापट्टू- कोठाकोडुरु - मायपाडु - रामतीर्थम - इस्कापल्ली का विकास | 49.55 | भौतिक रूप से पूर्ण |
| | 3. | बौद्ध परिपथ: शालीहुंडम - बाविकोंडा - बोज्जनकोंडा - अमरावती - अनूपु का विकास | 35.24 | भौतिक रूप से पूर्ण |
| एसडी 2.0 | 4. | सूर्यलंका बीच एक्सपीरियंस का विकास | 97.52 | कार्यान्वयन के चरण में |
| | 5. | अरक्कू में बोर्रा केव एक्सपीरियंस | 29.88 | कार्यान्वयन के चरण में |
| सीबीडीडी | 6. | नागार्जुन सागर में बौद्ध विरासत और सांस्कृतिक अनुभवों का संवर्धन | 25.00 | कार्यान्वयन के चरण में |
| | 7. | आध्यात्मिक यात्रा के रूप में अहोबिलम का विकास | 24.99 | कार्यान्वयन के चरण में |
| एसएएससीआई | 8. | गंडीकोटा में फोर्ट एवं गोर्ज एक्सपीरियंस का संवर्धन | 77.91 | कार्यान्वयन के चरण में |
| | 9. | राजा महेंद्रवरम में अखंड गोदावरी-(हवेलोक ब्रिज और पुष्कर घाट) | 94.44 | कार्यान्वयन के चरण में |

**तेलंगाना** **(राशि करोड़ रु. में)**

| **योजना/उप-योजना/ पहल** | **क्र. सं.** | **परियोजना/अनुभव का नाम** | **स्वीकृत राशि** | **स्थिति (भौतिक रूप से पूर्ण/ कार्यान्वयन के चरण में)** |
|---|---|---|---|---|
| स्वदेश दर्शन (एसडी) | 1. | महबूबनगर जिले में इको पर्यटन परिपथ का विकास | 91.62 | भौतिक रूप से पूर्ण |
| | 2. | मुलुगु - लकनावरम - मेदवरम - तड़वई - डमारवी - मल्लूर - बोगाथा झरनों का विकास | 79.87 | भौतिक रूप से पूर्ण |
| | 3. | कुतुबशाही विरासत पार्क-पैगाह मकबरे- हयात बख्शी मस्जिद - रेमंड का मकबरा का विकास | 96.90 | भौतिक रूप से पूर्ण |
| एसडी 2.0 | 4. | अनंतगिरि वन में इको पर्यटन जोन | 38.00 | कार्यान्वयन के चरण में |
| | 5. | भोंगीर किला एक्सपीरियंशियल जोन | 56.82 | कार्यान्वयन के चरण में |
| सीबीडीडी | 6. | बुद्धवनम, नालगोंडा में डिजिटल अनुभव केंद्र | 24.85 | कार्यान्वयन के चरण में |
| | 7. | निज़ाम सागर, कामारेड्डी में इको-पर्यटन परियोजना का विकास | 9.98 | कार्यान्वयन के चरण में |
| एसएएससीआई | 8. | रामप्पा में रामप्पा क्षेत्र स्थायी पर्यटन परिपथ | 73.74 | कार्यान्वयन के चरण में |
| | 9. | नल्लामाला में सोमसिल्ला निरोगता और आध्यात्मिक रिट्रीट | 68.10 | कार्यान्वयन के चरण में |

*******